केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 343 रविवार 7 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक 8 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेवानिवृत्ति कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की मासिक बैठक दिनांक 8 जुलाई सोमवार को 11 बजे प्रेस क्लब सभागार बस्ती में आयोजित किया गया है । यह जानकारी देते हुए संगठन के जिला अध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने बताया कि बैठक में पेंशनरों की समस्याओं एवं सदस्यता अभियान आदि बिंदुओं पर विचार किया जायेगा। बैठक में पदाधिकारी, , कार्यकारिणी सदस्य और पेंशनर हिस्सा लेंगे।

मास्टर ट्रेनर्स को दिया प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में फार्मर रजिस्ट्री प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी (प्रोजेक्ट ऑफिसर) जयदेव सीएस ने भी फार्मर रजिस्ट्री तैयार किये जाने संबंधी विस्तृत दिशा–निर्देश दिया। कृषि निदेशालय, लखनऊ से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर डा0 राजमंगल चौधरी, भूमि संरक्षण अधिकारी, एवं अजय कुमार चौधरी, अपर सांख्यिकी अधिकारी, द्वारा जनपद के समस्त उप जिलाधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, समस्त तहसीलदार, समस्त नायब तहसीलदार एवं उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। फार्मर रजिस्ट्री कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि समस्त राजस्व विभाग, पंचायत विभाग एवं कृषि विभाग के अधिकारी/कर्मचारी निर्धारित समयान्तर्गत एक–दूसरे से समन्वय स्थापित कर उक्त कार्य को पूर्ण करते हुए कार्यक्रम को सफल बनावें।

इस अवसर पर उप कृषि निदेशक अशोक कुमार गौतम द्वारा अवगत कराया गया है कि 01 दिसम्बर 2024 से प्राप्त होने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि उन्हीं कृषकों को प्राप्त होगी, जिनकी फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण हो चुकी होगी। दिनांक 08.07.2024 को अटल विहारी बाजपेई प्रेक्षागृह, बस्ती में तहसील स्तरीय राजस्व, कृषि एवं पंचायत विभाग के कार्मिकों को प्रशिक्षण देते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जायेगा।

बैठक में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी/जिला पंचायतीराज अधिकारी के प्रतिनिधि तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा तैयारियों में जुटा प्रशासन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता व पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने आगामी त्यौहार श्रावण मास/कावड़ यात्रा को सकुशल व शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने के दृष्टिगत कावड़ यात्रा मार्ग व पुरानी बस्ती स्थित कड़र मन्दिर एवं देवरिया माफी स्थित शिव मन्दिर का निरीक्षण किया तथा संबंधित को व्यवस्था संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान विभागीय एवं पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहें।

लोक अदालत 13 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 13 जुलाई 2024 को जनपद न्यायाधीश कुलदीप सक्सेना के निर्देशन में जनपद न्यायालय परिसर, कलेक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में किया जायेंगा। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार ने बताया है कि अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर सुलह–समझौले के आधार पर निस्तारण करायें।

गुजरात में भाजपा को हरायेंगे- राहुल गांधी

गांधीनगर (आभा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में कहा कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसी तरह हराएगी, जैसे उसने हालिया लोकसभा चुनाव में अयोध्या में उसे हराया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

राहुल गांधी ने कहा, भाजपा ने हमें धमकाकर और हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाकर हमें चुनौती दी है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम सब मिलकर उनकी सरकार को उसी तरह तोड़ देंगे जैसे उन्होंने हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाया है। यह लिखकर ले लीजिए कि कांग्रेस गुजरात में चुनाव लड़ेगी और नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को गुजरात में हराएगी, जैसा हमने अयोध्या में किया था।

राहुल गांधी ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि मैंने संसद में अयोध्या के सांसद से पूछा कि बीजेपी अयोध्या में क्यों हार गई? उन्होंने कहा कि अयोध्या के लोगों से जमीनें छीनी गईं, लोगों के दुकान–घर तोड़े गए और उन्हें मुआवजा नहीं दिया गया। इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नाम पर किसानों की जमीन ली गई, आज तक मुआवजा नहीं दिया गया। इसके अलावा, राम मंदिर के उद्घाटन में अयोध्या की जनता को नहीं बुलाया गया। इसीलिए अयोध्या की जनता गुस्से में थी और उन्होंने बीजेपी को हरा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में जीतेगी और इस राज्य से वह एक नई शुरुआत करेगी।

विधायक अजय सिंह ने महाविद्यालय में रोपे पौध, दिया पर्यावरण रक्षा का सन्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। इन्द्रासन सिंह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजकीय महाविद्यालय पचवस में शनिवार को वन महोत्सव जन अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरैया विधायक अजय सिंह ने क्षेत्रीय वन अधिकारी शारदानन्द तिवारी, प्राचार्य डॉ संदीप कुमार, महाविद्यालय परिवार और स्थानीय लोगों के साथ बड़ी संख्या में पौधरोपण किया। पौधरोपण के तहत बड़ी संख्या में पीपल, बरगद, पाकड़, नीम, आम सहित बड़ी संख्या में फलदार और औषधीय पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान विधायक अजय सिंह ने कहा कि प्रकृति हमारी सबसे बड़ी धरोहर है। प्रकृति से सुरक्षा पाने के लिए उसका संरक्षण करना भी जरूरी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसे सजोकर रखें और ज्यादा से ज्यादा पौधों को लगाकर इस धरा को हरा भरा बनाएं। कहा कि एक पौधा मां के नाम लगाने के साथ ही अपने सभी परिवारों के नाम से पौधा लगाए तथा अपने जीवन के विशेष अवसरों जैसे वैवाहिक वर्षगांठ, जन्मदिवस आदि पर भी पौधरोपण कर प्रकृति की रक्षा करें। जैसे हम अपने परिवारों के भविष्य के लिए धन सम्पदा इकट्ठा करते हैं उसी तरह शुद्ध वायु और अपने आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ रखने के लिए पौधरोपण अत्यंत आवश्यक है क्योंकि हमारी धन संपदा तभी काम आएगी जब हम स्वस्थ रहेंगे। इस अवसर पर डॉ हरेंद्र विश्वकर्मा, डॉ विशाल श्रीवास्तव, डॉ विजय कुमार, डॉ अरुण पाण्डेय, डॉ प्रगति पाण्डेय, रंजीत कुमार, महेश कुमार, आकाश कुमार, अंबिका, राज दत्त शुक्ल, अखिलेश सिंह, राम ललित पाण्डेय, विनोद गुप्ता, भारत सिंह, प्रिंस शुक्ल, निर्मल सिंह, प्रतिमा, गीत, पूजा, अंशु, विशाल, ब्रम्हगंगा, संदीप, अवनी, मीनाक्षी, गुंजन, अर्चना, आकांक्षा, रूपाली, नंदिनी, नीलम, अंतिमा, विनीत आदि उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में जान लेवा हमला दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के बडोसर निवासी तिलकराम पुत्र राम सूरत यादव ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दबंगों द्वारा उनके पिता रामसूरत पर घर में घुसकर हत्या की नीयत से जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किये जाने की मांग किया है।

पत्र में तिलकराम ने कहा है कि पुरानी जमीनी रंजिश को लेकर गत 28 जून की रात्रि लगभग 1.30 बजे गांव के ही रामफल पुत्र मनीराम यादव, राम रोहित पुत्र छिबूराम यादव लाठी, डण्डा लोहे का राड लेकर घर में घुस आये और उनके पिता राम सूरत यादव को हत्या की नीयत से बर्बरता से पीटा, हाथ, पैर तोड़ दिया, मोबाइल नगदी छीन लिया और परिवार सहित जान से मार देने की धमकी दिया। गोहार लगाने पर किसी तरह से राम सूरत की जान बची, उनका इलाज बस्ती के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। दुबौलिया पुलिस ने मामले में भादवि की धारा 452, 325, 323, 504, 506 के तहत मुकदमा तो दर्ज किया है किन्तु किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। तिलकराम ने एसपी से मांग किया है कि रामफल और राम रोहित को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाय।

समाधान दिवस:121 मामलों में 16 का निस्तारण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील हर्रैया में सम्पन्न हुआ, जिसमें जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने लोगों की समस्याओं को सुना तथा समय से निस्तारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने राजस्व वादों के निस्तारण हेतु कानूनगो एवं लेखपाल को निर्देशित किया कि विवादित स्थल पर पहुॅचने से पहले फरियादियों को अवगत कराते हुए दोनों पक्षों को गम्भीरतापूर्वक सुनें तथा सुनने के पश्चात् गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्षता के साथ वादों का निस्तारण करें। निस्तारण में किसी प्रकार की कोई समस्या होती/आती है, तो तत्काल अपने उच्चाधिकारी को बताये तथा उनको भी अवगत करायें।

इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने वन महोत्सव 2024, वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने भी आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना। उन्होने पुलिस अधिकारियों व थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि फरियादियों की समस्याओं का त्वरित व निष्पक्षता के साथ उनके विवादों का निस्तारण किया जाय।

उप जिलाधिकारी हर्रैया विनोद कुमार पाण्डेय ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 121 मामलें प्राप्त हुए, जिसमें से 16 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व विभाग के 58, पुलिस के 27, विकास के 18, विद्युत के 07, शिक्षा के 03 तथा अन्य के 08 मामलें आये।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डा. रमाशंकर दुबे, उप जिलाधिकारी न्यायिक मनोज प्रकश, पीडी राजेश झा, जिला विकास अधिकारी अजय सिंह, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी राजेश त्रिपाठी, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, सेवा योजन अधिकारी अवधेन्द्र वर्मा, डीपीआरओ रतन कुमार, पीओ डूडा सुनीता सिंह, बीएसए अनूप कुमार, डीएसओ सत्यवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी पुलिस तथा विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत पतिला के विकास कार्यों के स्थलीय भौतिक जांच की मांग: सौपा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने जिलाधिकारी और खण्ड विकास अधिकारी गौर को पत्र देकर गौर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत पतिला में कराये गये विकास कार्यो के उच्च स्तरीय जांच की मांग किया ।

पत्र में भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा है कि ग्राम पंचायत पतिला विकास खण्ड गौर में मनरेगा खेत समतलीकरण, नाला खुदाई एवं सफाई चकरोड की जांच हेतु मुख्यमंत्री को रजिस्टर्ड डाक द्वारा शिकायती प्रार्थना–पत्र भेजा गया था। मुख्यमंत्री के आदेश पर जांच अधिकारी द्वारा बिना शिकायतकर्ता को सूचना दिये ग्राम पतिला में जाकर फर्जी रिपोर्ट तैयार करके भेज दिया गया । इस सम्बन्ध में प्रार्थना–पत्र के साथ शपथ–पत्र ग्रामवासियों द्वारा दिया गया था। यहाँ तक कि जिसके नाम से भूमि समतलीकरण का फर्जी तरीके से भुगतान कर लिये है उसके द्वारा भी प्रार्थना पत्र के साथ शपथ–पत्र दिया गया है। ऐसे में शिकायतकर्ता के मौजूदगी में जांच कराया जाना चाहिये।

पत्र में कहा गया है कि विद्याराम के चक से चरूईया सरहद तक चकरोड, जगदीश पुत्र सोमई, राकेश कुमार पुत्र रामभेज, झिनकान पुत्र भुडकुल के खेत के समतलीकरण। रामप्रताप के चक से रामतीरथ के चक तक, पारसनाथ के चक से कलिगडा सरहद तक, रामकुमार के चक से मिरवापुर सरहद तक, सुरेन्द्र के चक से नाला खुदाई एवं सफाई कार्य आदि का स्थलीय भौतिक सत्यापन कर नये सिरे से जांच कराया जाय।

बाढ कार्य प्रथम खण्ड बस्ती में वेतन मद में अधिक धनराशि लेकर करोड़ों का गोलमाल

-सींच पर्यवेक्षक निलम्बित: निर्देश के बाद भी राजकीय कोष में धन जमा नहीं कर रहे हैं कर्मचारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बाढ कार्य प्रथम खण्ड बस्ती में कार्यरत अधिशासी अभियन्ता दिनेश कुमार के द्वारा पिछले दो वर्ष में विभागीय कर्मचारियों के खाते में एक करोड़ 50 लाख से अधिक का भुगतान कराकर बन्दरबांट किये जाने का मामला सामने आया है। तेलियाजोत निवासी आलोक द्विवेदी की शिकायत के बाद हुई जांच के बाद अधीक्षण अभियन्ता गण्डक बाढ मण्डल बस्ती ने कूट रचित तरीके से अभिलेखों में छेड़छाड़, राजकीय धन को गबन करने के उद्देश्य से अपने बैंक खाते में मासिक वेतन से अधिक का धनराशि लिये जाने पर सींच पर्यवेक्षक हरिश्चन्द्र को निलम्बित कर सिंचाई निर्माण खण्ड सिद्धार्थनगर से सम्बद्ध कर दिया है।

अधीक्षण अभियन्ता गण्डक बाढ मण्डल के 2 जुलाई को निर्गत कार्यालय ज्ञाप में कहा गया है कि अरविन्द कुमार द्वारा पदीय दायित्वों का दुरूपयोग करते हुये राजकीय धन को गबन करने के उद्देश्य से अपने बैंक खाते एवं चार सह कर्मचारी कनिष्ठ सहायक ओम नरायन पाठक, सींच पर्यवेक्षक हरिश्चन्द्र, महेन्द्र कुमार टिण्डैल, मेट घनश्याम द्वारा वेतन मद में वेतन से अधिक की धनराशि ले लिया गया। अधिशासी अभियन्ता बाढ कार्य खण्ड प्रथम बस्ती ने नोटिस जारी कर वेतन मद में ली गई अधिक धनराशि का कारण स्पष्ट करते हुये उसे राजकीय कोष में जमा करने का निर्देश दिया गया। महेन्द्र कुमार टिण्डैल ने 3,28,736 एवं घनश्याम मेट द्वारा 2,66,268 वेतन से अधिक ली गई धनराशि को राजकोष में जमा कर दिया किन्तु तीन बार अवसर दिये जाने के बावजूद वरिष्ठ सहायक अरविन्द कुमार ने 55,22,04000, कनिष्ठ सहायक ओम नरायन पाठक ने 61,19,644.00, हरिश्चन्द्र सींच पर्यवेक्षक ने 61,19644 अभी तक जमा नहीं किया गया है। अधीक्षण अभियन्ता सुरेन्द्र मोहन वर्मा द्वारा 2 जुलाई 2024 को जारी कार्यालय ज्ञाप में कहा गया है कि ऐसा लगता है कि संगठित होकर राजकीय धन का गबन किया गया है। मामले के सामने आने के बाद विभाग में हड़कम्प है और वेतन मद में राजकीय धन का गबन किये जाने को लेकर विभागीय अधिकारी और कर्मचारी चुप्पी साधे हुये हैं।

जिला पंचायत बस्ती के कार्ययोजना का अनुमोदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को जिला पंचायत बस्ती के सभागार में अध्यक्ष जिला पंचायत संजय चौधरी के अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से वित्तीय वर्ष 2024–2025 की कार्ययोजना का अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक के अन्य प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान प्रमोद कुमार चौधरी के प्रस्ताव पर सदन द्वारा सर्वसम्मति से बस्ती का नाम बदल कर महर्षि वशिष्ठ नगर किये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

बैठक के, प्रारम्भ में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, सांसद रामप्रसाद चौधरी विधायक दूधराम , महेन्द्र नाथ यादव बस्तीसदर ब्लाक प्रमुख, कुदरहा, साऊघाट, रामनगर सदस्यगण व विजय प्रकाश वर्मा, अपर मुख्य अधिकारी द्वारा महात्मा गांधी जी व डा० भीम राव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

बैठक में कई प्रस्तावों पर सघन चर्चा की गई और सदस्यों ने विकास से जुडे अनेक मुद्दे उठाये। इस बात पर जोर दिया गया कि परस्पर समन्वय और सहमति से अति आवश्यक विकास कार्यो को गति दी जाय। और जिला पंचायत अपने लक्ष्य पूरे करे। सांसद राम प्रसाद चौधरी ने महत्वपूर्ण सुझाव दिया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, ब्लाक प्रमुख कुदरहा अनिल दुबे, साऊघाट अभिषेक कुमार, रामनगर यशकांत सिंह व विजय प्रकाश वर्मा, अपर मुख्य अधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे।

मानवाधिकार रक्षा पर जोर: गोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट भारत के तृतीय स्थापना दिवस पर प्रेस क्लब सभागार में गोष्ठी आयोजित किया गया। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष आशीष उर्फ कल्लू बाबा ने किया। मुख्य अतिथि महासचिव राधेश्याम कमलापुरी ने अपने सम्बोधन में हुए कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार एक सामाजिक संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य सामाजिकता को अधिकार दिलाने, जैसे मौलिक अधिकार, समता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार ,सिविल अधिकार , धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार शिक्षा संबंधित अधिकार सार्वजनिक उपचारों का अधिकार साथ ही सामूहिक अधिकार में सामाजिक अधिकार में संस्कृत अधिकार राजनीतिक अधिकार के क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि 6 जुलाई को संगठन के कार्यकाल का चौथा वर्ष प्रवेश हुआ है जो राष्ट्रीय मानवाधिकार 10 सितंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र असेंबली द्वारा की गई थी। 28 सितंबर 1993 को भारत में मानवाधिकार कानून अमल में आया 12 अक्टूबर 1993 को भारत सरकार ने राष्ट्रीय मानवाधिकार का गठन किया मानव संरक्षण के अंतर्गत इसकी स्थापना की गई।

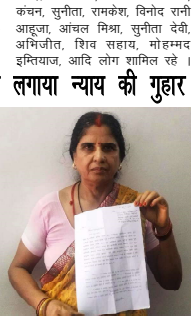

विशिष्ट अतिथि सुनील रानी श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष एवं मजिस्ट्रेट बाल कल्याण समिति ने मानवाधिकार के लिए नारी शक्ति को सबल बनाने पर जोर दिया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट जिलाध्यक्ष आशीष उर्फ कल्लू बाबा ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यता अभियान चला कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जाएगा ।

इसी क्रम में महिला प्रदेश अध्यक्ष रंजन सिंह ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया। प्रदेश उपाध्यक्ष समीर चंद गुप्ता ने संगठन के 3 वर्ष पूरा होने पर संगठन के विकास पर जोर दिया वहीं जिला उपाध्यक्ष विनोद चौरसिया ने 3 वर्ष पूरा होने पर सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं समाज के सभी नागरिकों को धन्यवाद किया । बैठक में मुख्य रूप से रामकुमार साह, मोहम्मद जानू, राम रामकुमार चौधरी, शिव सहाय, राज कसौधन, सलमान, पूजा सिंह, साधना श्रीवास्तव, यतींद्र श्रीवास्तव, नीलम विश्वकर्मा, कंचन, सुनीता, रामकेश, विनोद रानी आहूजा, आंचल मिश्रा, सुनीता देवी, अभिजीत, शिव सहाय, मोहम्मद इम्तियाज, आदि लोग शामिल रहे ।

-एकजुटता से पूरा होगा मानवाधिकारों की रक्षा का लक्ष्य-राधेश्याम कमलापुरी

दबंगों ने गिरा दिया बाउन्ड्रीवाल, अधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला रौतापार ब्लाक रोड विवेकान्द कालोनी निवासी सरला पाण्डेय पत्नी हंसराज पाण्डेय ने मुख्यमंत्री के साथ ही पुलिस उच्चाधिकारियों को पत्र देकर बिना किसी पूर्व सूचना के जबरिया दबंगों द्वारा बाउन्ड्रीवाल, गेट आदि ध्वस्त किये जाने के मामले में प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है।

सरला पाण्डेय पत्नी हंसराज पाण्डेय पत्नी ने उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में कहा है कि जल्दबाजी में उन्होने जो तहरीर दिया उसमें कई नाम गलत थे। बाद में पता चला कि काशीराम यादव पुत्र भागीरथी यादव, सुनील यादव, संजय यादव, सत्यनील यादव, सर्वेश यादव, सुरेन्द्र यादव पुत्रगण निवासी धौरखोर टोला बंजरिया, थाना लालगंज आदि ने लगभग 50 लोगों के साथ घटना को अंजाम दिया। कोतवाली पुलिस ने इस सम्बन्ध में काशीराम यादव, उनके पुत्र और लगभग 50 अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध भादवि की धारा 147, 504 506, 427, 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। तहरीर में कहा गया है कि गत 27 जून को लगभग 5 बजे दिन में काशीराम यादव अपने बेटों के साथ लगभग 50 आदमी, हथियार, हथौड़ा, सब्बल, फावड़ा आदि लेकर पहुंचे और उनकी बाउन्ड्रीवाल को जबरिया ध्वस्त करा दिया। पुलिस के पहुंचने तक उक्त लोग भद्दी–भद्दी गाली और जान से मारने की धमकी देकर चले गये। दबंगों ने उनका लाखों रूपये का नुकसान किया है। बाउन्ड्रीवाल गिर जाने से उनका परिवार पूरी तरह से असुरक्षित और डरा सहमा है। लेखपाल सतीश चन्द्र श्रीवास्तव के इशारे पर बाउन्ड्रीवाल गिराये जाने का वीडियो उनके पास उपलब्ध है। सरला पाण्डेय पत्नी हंसराज पाण्डेय ने प्रशासन से आग्रह किया है कि दोषियों के विरूद्ध कडी कार्रवाई करने के साथ ही भू–माफियाओं द्वारा उनके बाउन्ड्रीवाल को गिराये जाने के बाद उसे बनवाया जाय और उनके परिवार के जान माल की सुरक्षा की जाय।

जन्मदिन पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस पर उनके नाम से स्थापित विद्यालय डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंटर कॉलेज जिगिना बस्ती पर उनका जन्मदिन मनाया गया। सुधी जनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण के बाद उनकी यश कीर्ति की चर्चा किया।

विद्यालय के प्रबंधक पूर्वांचल विद्वत परिषद के अध्यक्ष राजेन्द्रनाथ तिवारी ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राजनीतिक मूल्यांकन तो हुआ लेकिन उनका सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यांकन का पक्ष खाली रह गया । वे देश के पहले ऐसे कुलपति थे जिन्होंने 32 वर्ष की अवस्था में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति का चार्ज लिया था । सामाजिक सांस्कृतिक बौद्धिक न्याय और शिक्षा के क्षेत्र में उन्होने अपनी अग्रणी भूमिका निभाई । उन्होंने देश की राजनीतिक प्रगति में तो योगदान दिया, डॉ. श्यामा प्रसाद शिक्षाविद भी थे यह बात उनके अनुयायियों ने भुला दिया।

विद्यालय में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के शैक्षिक उन्नयन को स्थान स्थान पर प्रचारित और प्रसारित किया जाएगा ।

इस अवसर पर धनघटा संतकबीरनगर नगर के विधायक गणेश चौहान ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर प्रकाश डाला । कहा कि हम सभी को आज की स्थिति में उनके बताए हुए मार्गो पर चलना चाहिए और एक स्वस्थ भारत की संकल्पना को सुसज्जित करना चाहिए ।

कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के पूर्व वरिष्ठ सहायक अशोक कुमार पाण्डेय, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ला, विद्यालय के प्रधानाचार्य सुजीत कुमार, वरिष्ठ शिक्षक राम सागर यादव, राघवेन्द्र भट्ट, कार्यालय प्रभारी संतोष दुबे , श्रीमती लीलावती, ज्ञानमती श्वेता, मालू, पंकज यादव सहित अनेक लोगों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन् किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 जुलाई 2024 रविवार

सम्पादकीय

सड़कों की बदहाली का जिम्मेदार कौन...?

जब देश के बड़े हिस्से में बरसात की पहली धार पड़ी तो अमृतस्वरूप जल की सबसे पहली मार उन सड़कों पर पड़ी, जिन्हें आधुनिक विकास का पैमाना माना जा रहा था। देश के हर राज्यों में इस दौरान सड़क से गड्ढों को पूरी तरह मिटाने के अभियान चलते हैं जिन पर कई–कई करोड़ खर्च होते हैं लेकिन एक बरसात के बाद ही पुराने गड्ढे नए आकार में सड़क पर बिछे दिखते हैं। राजधानी दिल्ली हो या फिर दूरस्थ गांवों तक, आम आदमी इस बात से सदैव रुष्ट मिलता है कि उसके यहां की सड़क टूटी है, संकरी है, या काम की ही नहीं है। लेकिन समाज कभी नहीं समझता कि सड़कों की दुर्गति करने में उसकी भी भूमिका कम नहीं है। अब देशभर में बाईस लाख करोड़ खर्च कर सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। श्वेत क्रांति व हरित क्रांति के बाद अब देश सड़क–क्रांति की ओर अग्रसर है। इतनी बड़ी राशि खर्च कर तैयार सड़कों का रखरखाव भी महंगा होगा।

यह दुर्भाग्य है कि हमारे देश में एक भी सड़क ऐसी नहीं है, जिस पर कानून का राज हो। गोपीनाथ मुंडे, राजेश पायलट, साहिब सिंह वर्मा जैसे कद्दावर नेताओं को हम सड़क की साधारण लापरवाहियों के कारण गंवा चुके हैं। सीमा से अधिक गति से वाहन चलाना, क्षमता से अधिक वजन लादना, धीमी गति के लिए प्रतिबंधित मार्ग की परवाह नहीं करना, लेन में चालन नहीं करना, सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण व दुकानें– ऐसे कई मसले हैं जिन पर माकूल कानूनों के प्रति बेपरवाही है। यही सड़क की दुर्गति के कारक भी हैं।

सड़कों पर इतना खर्च हो रहा है, इसके बावजूद सड़कों को निरापद रखना मुश्किल है। दिल्ली से मेरठ के सोलह सौ करोड़ के एक्सप्रेस–वे का चौथे साल पहली ही बरसात में जगह–जगह धंस जाना व दिल्ली महानगर के उसके हिस्से में जलभराव बानगी है कि सड़कों के निर्माण में नौसिखियों व ताकतवर नेताओं की मौजूदगी कमजोर सड़क की नींव खोद देती है। अयोध्या हो या गुरुग्राम हर जगह नई बनी सड़कों के धंसने पर सरकार का उपहास उड़ रहा है।

विडंबना है कि देशभर में सड़क बनाते समय उसके सुपरविजन का काम कभी कोई तकनीकी विशेषज्ञ नहीं करता है। यदि कुछ विरले मामलों को छोड़ दिया जाए तो सड़क बनाते समय डाले जाने वाले बोल्डर, रोड़ी, मुरम की सही मात्रा शायद ही डाली जाती है। शहरों में तो सड़क किनारे वाली मिट्टी उठा कर ही पत्थरों को दबा दिया जाता है। कच्ची सड़क पर वेक्यूम–सकर से पूरी मिट्टी साफ कर ही तारकोल डाला जाना चाहिए, क्योंकि मिट्टी पर गर्म तारकोल वैसे तो चिपक जाता है, लेकिन वजनी वाहन चलने पर वहीं से उधड़ जाता है। इस तरह के वेक्यूम–सकर से कच्ची सड़क की सफाई कहीं भी नहीं होती है। हालांकि इसके बिल जरूर फाइलों में होते हैं।

इसी तरह सड़क बनाने से पहले पक्की सड़क के दोनों ओर कच्चे में मजबूत खरंजा तारकोल या सीमेंट को फैलने से रोकता है। इसमें रोड़ी मिल कर खरंजे के दबाव में सांचे सी ढल जाती है। आमतौर पर ऐसे खरंजे कागजों में ही सिमटे होते हैं, कहीं ईंटें बिछाई भी जाती हैं तो उन्हें मुरम या सीमेंट से जोड़ने की जगह महज वहां से खोदी मिट्टी पर टिका दिया जाता है। इससे थोड़ा पानी पड़ने पर ही ईंटें ढीली होकर उखड़ आती हैं। यहां से तारकोल व रोड़ी के फैलाव व फटाव की शुरुआत होती है।

सड़क का ढलाव ठीक न होना भी सड़क कटने का बड़ा कारण है। सड़क बीच में से उठी हुई व सिरों पर दबी होनी चाहिए, ताकि उस पर पानी पड़ते ही किनारों की ओर बह जाए। लेकिन शहरी सड़कों का तो कोई लेबल ही नहीं होता है। बारिश का पानी यहां–वहां बेतरतीब जमा होता है और पानी सड़क का सबसे बड़ा दुश्मन है। नालियों का बह कर आया पानी सड़क के किनारों को काटता रहता है। एक बार सड़क कटी तो वहां से गिट्टी, बोल्डर का निकलना रुकता नहीं है । सड़कों की दुर्गति में हमारे देश का उत्सव–धर्मी चरित्र भी कम दोषी नहीं है। महानगरों से लेकर सुदूर गांवों तक घर में शादी हो या राजनीतिक जलसाय सड़क के बीचो–बीच टैंट लगाने में कोई रोक नहीं होती और इसके लिए सड़कों पर चार–छह इंच गोलाई व एक फीट गहराई के कई छेद करे जाते हैं। बाद में इन छेदों में पानी भरता है और सड़क गहरे तक कटती चली जाती है।

नल, टेलीफोन, सीवर, पाइप गैस जैसे कामों के लिए सरकारी महकमे भी सड़क को चीरने में कतई दया नहीं दिखाते हैं। सरकारी कानून के मुताबिक इस तरह सड़क को नुकसान पहुंचाने से पहले संबंधित महकमा स्थानीय प्रशासन के पास सड़क की मरम्मत के लिए पैसा जमा करवाता है। नया मकान बनाने या मरम्मत करवाने के लिए सड़क पर ईंटें, रेत व लोहे का भंडार करना भी सड़क की आयु घटाता है। कालेनियों में भी पानी की मुख्य लाइन का पाइप एक तरफ ही होता है, यानी जब दूसरी ओर के बाशिंदे को अपने घर तक पाइप लाना है तो उसे सड़क को खोदना ही होगा। एक बार खुदी सड़क की मरम्मत लगभग नामुमकिन होती है। सड़क पर घटिया वाहनों का संचालन भी उसका बड़ा दुश्मन है। यह दुनिया में शायद भारत में ही देखने को मिलेगा कि सरकारी बसें हों या फिर डग्गामारी करती जीपें, निर्धारित से दुगनी तक सवारी भरने पर रोक के कानून महज पैसा कमाने का जरिया मात्र होते हैं। ओवरलोड वाहन, खराब टायर, दोयम दर्जे का ईंधन ये सभी बातें भी सरकार के चिकनी रोड के सपने के साकार होने में बाधाएं हैं।

सवाल यह खड़ा होता है कि सड़क–संस्कार सिखाएगा कौन? ये संस्कार सड़क निर्माण में लगे महकमों को भी सीखने होंगे और उसकी योजना बनाने वाले इंजीनियरों को भी। संस्कार से सज्जित होने की जरूरत सड़क पर चलने वालों को भी है और यातायात व्यवस्था को ठीक तरह से चलाने के जिम्मेदार लोगों को भी। वैसे तो यह समाज व सरकार दोनों की साझा जिम्मेदारी है कि सड़क को साफ, सुंदर और सपाट रखा जाए। लेकिन हालात देख कर लगता है कि कड़े कानूनों के बगैर यह संस्कार आने से रहे।

संसद में सार्थक संवाद के यक्ष प्रश्न

—प्रो. संजय द्विवेदी –

भारतीय संसद अपनी गौरवशाली परंपराओं, विमर्शों और संवाद के लिए जानी जाती है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक बहसों को प्रोत्साहित किया और अपने प्रतिपक्ष के नेताओं डा. राममनोहर लोहिया, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पीलू मोदी तक को मुग्ध भाव से सुना। राष्ट्र प्रेम ऐसा कि चीन युद्ध के बाद गणतंत्र दिवस की परेड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों को आमंत्रित कर उनकी राष्ट्रभक्ति को सराहा। किंतु लोकसभा के प्रथम सत्र में जो कुछ हुआ,वह संवाद की धारा को रोकने वाला है। इससे संसद विमर्श और संवाद का केंद्र नहीं अखाड़ा बन गयी।

राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जब नेता सदन और प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उनके लगभग दो घंटे के भाषण में विपक्षी सदस्यों ने आसमान सिर पर उठा रखा था। लगातार नारेबाजी से उनका भाषण सुनना मुश्किल था। इसके विपरीत जब पहले दिन नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे,तो उनके भाषण में सत्तारूढ़ दल के प्रधानमंत्री सहित तीन मंत्रियों ने हस्तक्षेप किया। नेता प्रतिपक्ष को बताया गया कि वे सदन के पटल पर गलत तथ्य न रखें। यह दोनों स्थितियां भारतीय राजनीति में बढ़ते अतिवाद को स्पष्ट करती हैं, जहां संवाद संभव नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष पर नेता प्रतिपक्ष द्वारा की गई अनावश्यक टीका–टिप्पणी को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष की गलत बयानी के लिए बाद में सत्तारूढ़ दल के वक्ता अपने भाषणों में उनके भाषण की चीरफाड़ कर सकते थे। किंतु शीर्ष स्तर से लगातार हस्तक्षेप ने नेता प्रतिपक्ष का मनोबल बढ़ा दिया। वे सत्ता पक्ष को उत्तेजित करने में सफल रहे और पहले दिन के मीडिया विमर्श में उन्हें श्सक्रिय नेता प्रतिपक्षश घोषित कर दिया गया। सेकुलर मीडिया के सेनानियों ने उन्हें श्मैन आफ द मैचश घोषित कर दिया। जाहिर है लंबे समय से गंभीर राजनेता की छवि बनाने के लिए आतुर राहुल गांधी के लिए यह अप्रतिम समय था। किंतु पहले दिन की वाहवाही अगले दिन ही धराशाई हो गई जब प्रधानमंत्री के भाषण में दो घंटे तक नारेबाजी चलती रही। देश की जनता दोनों तरह की अतियों के विरुद्ध है। सदन की गरिमा को बचाने के लिए राजनीतिक दलों को कुछ ज्यादा उदार होना चाहिए।

लोकसभा के प्रथम सत्र से निकली छवियां बता रही हैं कि आगे भी सब कुछ सामान्य नहीं रहने वाला है। किंतु संसद को अखाड़ा, चौराहे की चर्चा के स्तर पर ले जाने के लिए किसे जिम्मेदार माना जाए? यह ठीक बात है कि सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, किंतु सदन में सार्थक और प्रभावी विमर्श खड़ा करना विपक्षी दलों की भी जिम्मेदारी है। अब जबकि विपक्ष अपनी बढ़ी संख्या पर मुग्ध है तो क्या उसे संसदीय मर्यादाओं को छोड़कर अराजकता का आचरण करना चाहिए? सच तो यह है कि सदन के इस तरह चलने से सत्तारूढ़ दल का ही लाभ है। बिना बहस और चर्चा के कानून इसीलिए पास होते हैं क्योंकि संसद का ज्यादातर समय हम विवादों में खर्च कर देते हैं। संसदीय परंपरा रही है कि हर नयी सरकार को प्रतिपक्ष कम से कम छः माह का समय देता है। उसके कार्यक्रम और योजनाएं का मूल्यांकन करता है। पहले दिन से ही सदन को अराजकता की ओर ढकेलना उचित नहीं कहा जा सकता। अपनी लंबी संसदीय प्रणाली में भारत ने अनेक संकटों का समाधान किया है। हमारे संसदीय परंपरा का मूलमंत्र है संवाद से संकटों और समस्याओं का समाधान खोजना। संसद इसी का सर्वोच्च मंच है। यह प्रक्रिया नीचे पंचायत तक जाती है। इससे सहभागिता सुनिश्चित होती है, सुशासन का मार्ग प्रशस्त होता है। संसद से नीचे के सदनों विधानसभा सभाओं, विधान परिषदों, नगरपालिका, नगर निगमों और पंचायतों को भी सांसदों का आचरण ही रास्ता दिखाता है। लोकसभा के पहले सत्र का लाइव प्रसारण देखते हुए हर संवेदनशील भारतीय जन को ये दृश्य अच्छे नहीं लगे हैं। संसदीय मर्यादाओं और परंपराओं की रक्षा हमारे सांसद गण नहीं करेंगे तो कौन करेगा? संसदीय राजनीति के शिखर पर बैठे दायित्ववान सांसदों की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि वे अपने आचरण से इस महान संस्था का गौरव बढ़ाने में सहयोगी बनें। नफरतों, कड़वाहटों और संवादहीनता से 'राजनीति' तो संभव है पर 'राष्ट्रनीति' हम न कर पाएंगे।

गावों से बढ़ता पलायन

—ललित गर्ग—

भारत में बढ़ता शहरीकरण भले ही विकास का आधार हो, लेकिन इसने अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। बढ़ता शहरीकरण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन रहा है। वर्तमान में दुनिया की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। गांवों से शहरों की ओर पलायन हो रहा है। यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक शहरी आबादी अपने वर्तमान आकार से दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ–व्यवस्था बनाने एवं नया भारत–विकसित भारत बनाने के लिये शहरीकरण पर बल दिया जा रहा है। एक विडम्बनापूर्ण सोच देश के विकास के साथ जुड़ गयी है कि जैसे–जैसे देश विकसित होता जायेगा वैसे–वैसे गांव की संरचना टूटती जायेगी। निश्चित ही जब भी शहरों में कोई नई कॉलोनी विकसित होती है तो हमें यह स्वीकारना ही होगा कि किसी न किसी गांव की कुर्बानी हुई है। एक और विडम्बना एवं त्रासदी है कि जिन्हें शहर कहा जा रहा है वहां अपने संसाधना से वंचित लोगों की बेतरतीब, बेचौन और विस्थापित भीड़ ही होगी।

कुछ समय पूर्व स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच का सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें यह बात उभर कर सामने आई कि शहरों के विकास को ही भारत के विकास की धुरी माना जा रहा है। यह सही भी है क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकासशील अर्थव्यवस्था में शहरों को विकास का सबसे बड़ा वाहक माना जाता है। भारत में नवीन भारत की पहल के विचार को आगे बढ़ाने की कड़ी में शहरी बुनियादी ढाँचों में सुधार के समग्र दृष्टिकोण को अपनाये जाने की अपेक्षा है। वैश्वीकरण के उपरांत शहरी विकास की अवधारणा समावेशी विकास की एक अनिवार्य शर्त बन गई है। शहरी विकास की इस प्रक्रिया ने गाँवों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न कर दिया है। शहरों का अनियोजित विकास, महानगरों का असुरक्षित परिवेश, पर्यावरण की समस्या, बढ़ता प्रदूषण, जल का अभाव एवं शहरी संस्कृति में बढ़ते जा रहे संबंधमूलक तनाव हमें यह सोचने पर विवश करते हैं कि शहरी विकास की अवधारणा पर एक बार फिर से विचार किया जाना चाहिये। विभिन्न प्रकार के प्रदूषण उत्पन्न करने में गाँवों की तुलना में शहरों की भूमिका अधिक है, तो क्या यह कहा जा सकता है कि विकास और प्रदूषण का एक–दूसरे के साथ सकारात्मक संबंध है? बेहतर रोजगार, आधुनिक जनसुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य की लालसा में अपने पुश्तैनी घर–बार छोड़कर शहर की चकाचौंध की ओर पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति का परिणाम है कि देश में एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की संख्या लगभग 350 हो गई है जबकि 1971 में ऐसे शहर मात्र 151 थे। यही हाल दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का है।

महानगरों के अनियोजित शहरीकरण

इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण को विकास का पैमाना माना जाता है। शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती हैं। यह भी सच है कि ये सुविधाएं सभी को नसीब भी नहीं होतीं। रोजगार के लिए गांवों से शहरों में आने वाले बहुत सारे लोगों को कच्ची बस्तियों, चालों या एक से दो कमरें के मकानों में किराए पर रहने को बाध्य होना पड़ता है। शहरों में बुनियादी सुविधाओं के बावजूद सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र पर खासा नकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। शहरों में रहना दूभर ही होता जा रहा है। असल में देखें तो संकट वायु प्रदूषण का हो या जंगल का, स्वच्छ वायु का हो या फिर स्वच्छ जल का, सभी के मूल में विकास की वह अवधारणा है जिससे शहर रूपी सुरसा सतत विस्तार कर रही है और उसकी चपेट में आ रही है प्रकृति और उसकी नैसर्गिकता। जिसके कारण मनुष्य की सांसें उलझती जा रही है, जीवन पर संकट मंडरा रहा है। अगर हमें पूरी समस्या से लड़ना है, तो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सहित महानगरों के स्तर पर और साथ ही पूरे देश के स्तर पर अपनी कई आदतों को बदलना होगा, विकास के तथाकथित मॉडल पर गंभीर चिन्तन करना होगा। वायु प्रदूषण का कारण पराली एवं सड़क पर दौड़ते निजी वाहनों में खोजने की बजाय हमें महानगरों के अनियोजित शहरीकरण में खोजना होगा।

पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनजर शहर एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं क्योंकि शहर के विकास के लिये हरित क्षेत्र की बलि चढ़ाई जा रही है। जलवायु संबंधी परिवर्तनों ने कई शहरों के अस्तित्व को चुनौती दी है, विशेषतः समुद्र किनारे बसे शहर अब मानव निर्मित आपदाओं से अछूते नहीं रह गए हैं। इसके अलावा, तीव्र प्रौद्योगिकीय विकास शहरों में अनेक परंपरागत व्यवसाय करने वाले समूहों के लिये खतरा बन गया है क्योंकि इससे भी पर्यावरण को नुकसान होता है। देश के सभी बड़े शहरों और महानगरों में बड़ी संख्या में स्लम बस्तियाँ बन गई हैं। इनमें रहने वाले लोग शहरी जनसंख्या से संबंधित उच्च एवं मध्य वर्ग की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, परंतु वे न केवल गरीबी के शिकार हैं अपितु बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। प्रत्येक शहर में बेतरतीब यातायात एक गंभीर समस्या बन गया है क्योंकि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को लगभग समाप्त कर दिया गया है। शहर में रहने वाले समृद्ध लोग अपनी शक्ति और संपन्नता के प्रदर्शन के लिये यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और इससे बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं।

शहर के लिए सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, जल चाहिए, मकान चाहिए और दफ्तर चाहिए। इन सबके लिए या तो खेत होम हो रहे हैं या फिर जंगल। जंगल को हजम करने की चाल में पेड़, जंगली जानवर, पारंपरिक जल स्रोत सभी कुछ नष्ट हो रहा है। यह वह नुकसान है जिसका हर्जाना संभव नहीं है और यही वायु प्रदूषण का बड़ा कारण है। शहरीकरण यानी रफ्तार और रफ्तार का मतलब है वाहन और वाहन है कि विदेशी मुद्रा भंडार से खरीदे गए ईंधन को पी रहे हैं और बदले में दे रहे हैं दूषित वायु। शहर को ज्यादा बिजली चाहिए यानी ज्यादा कोयला जलेगा, ज्यादा परमाणु संयंत्र लगेंगे। शहर का मतलब है औद्योगिकीकरण और अनियोजित कारखानों की स्थापना, जिसका परिणाम है कि हमारी लगभग सभी नदियां अब जहरीली हो चुकी है। महानगरों की बढ़ती आबादी को सिर छुपाने को मकान चाहिए, जिसके लिये हरीतिमा क्षेत्रों को हम कंक्रीट के जंगल में तब्दील करते जा रहे हैं। नदी थी खेती के लिए, मछली के लिए, दैनिक कार्यों के लिए, न कि उसमें गंदगी बहाने के लिए। गांवों के कस्बें, कस्बों के शहर और शहरों के महानगर में बदलने की होड, एक ऐसी मृग मरीचिका में लगी है, जिसकी असलियत कुछ देर से खुलती है लेकिन जब खुलती है तब तक लोगों की सांस लेना दुभर हो चुका होता है, जीवन पर संकट के बादल मंडराने लगते हैं।

दरअसल स्वतन्त्र भारत के विकास के लिए हमने जिन नक्शे कदमों पर चलना शुरू किया उसके तहत बड़े–बड़े शहर पूंजी केन्द्रित होते चले गये और रोजगार के स्रोत भी ये शहर ही बने। शहरों में सतत एवं तीव्र विकास और धन का केन्द्रीकरण होने की वजह से इनका बेतरतीब एवं असंतुलित विकास स्वाभाविक रूप से इस प्रकार हुआ कि यह राजनीतिक दलों के अस्तित्व और प्रभाव से जुड़ता चला गया, लेकिन पर्यावरण एवं प्रकृति से कटता गया। प्रबुद्ध नागरिक बढ़ते शहरीकरण को लेकर चिंतित रहते हैं और अनियोजित शहरी विकास को नियोजित विकास का रूप दिलाने के लिए न्यायालयों तक का दरवाजा खटखटाते हैं। इसके बावजूद अनियोजित शहरीकरण बढ़ रहा है। शहरीकरण के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। ऐसे में नीति निर्माताओं को इस समस्या पर गंभीरता से विचार करना होगा। शहरों के विस्तार की बजाय गांवों–कस्बों के विकास पर ध्यान देना होगा। गांव आधारित आर्थिक विकास एवं आर्थिक व्यवस्था को प्रोत्साहन देना होगा। वहां रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतर व्यवस्था करके ग्रामीण आबादी को शहरों की ओर पलायन से रोका जा सकता है। इससे शहरों पर दबाव भी कम होगा और पर्यावरण, स्वास्थ्य, जीवनशैली पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव में भी कुछ हद तक कमी आएगी।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

ब्रिटेन में सत्ता परिवर्तन

—नीरज कुमार दुबे—

ब्रिटेन की जनता ने इस बार के आम चुनाव में सत्ता पलट दी है। महंगाई की सर्वाधिक मार झेलने वाली ब्रिटेन की जनता ने कंजरवेटिव पार्टी को चुनावों में कड़ा सबक सिखाया है जिसके चलते प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को माफी मांगते हुए यह कहना पड़ा है कि मैंने आपके गुस्से और निराशा को महसूस किया है और मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। वैसे चुनाव के नतीजे जो भी रहे हों लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि ऋषि सुनक ने अपने देश को कठिन आर्थिक परिस्थितियों के दौर से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद जब लिज ट्रस ने ब्रिटेन की कमान संभाली थी तो तुरंत ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बिगड़ी सेहत का अंदाजा हो गया था और उन्होंने महज 45 दिनों के भीतर ही प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया था। उस समय ऋषि सुनक ही अंतिम तारणहार दिखाई पड़ रहे थे। देखा जाये तो ऋषि सुनक ने उस समय प्रधानमंत्री के रूप में कांटों का ताज पहना था क्योंकि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था महामारी के बाद हिचकोले खा रही थी। महंगाई और ब्याज दरें बढ़ रही थीं। यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा पर होने वाले खर्च को बढ़ा दिया था। मुद्रा बाजार में स्टर्लिंग (ब्रिटेन में प्रचलित मुद्रा) कमजोर दिख रही थी। एक सफल बैंकर और वित्त मंत्री रहे सुनक ने प्रधानमंत्री बनते ही बजट घाटे को काबू में किया, सरकार के खर्चों में कटौती की और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लेकर आये लेकिन वैश्विक संघर्षों के चलते बाधित हुई सप्लाई चेन की वजह से बढ़ती महंगाई को वह नहीं रोक पाये। इसके अलावा चूंकि उनकी पार्टी पिछले लगभग डेढ़ दशक से सत्ता में थी इसलिए ब्रिटेन में इस बार बदलाव की जोरदार लहर चल रही थी जोकि परिणामों में स्पष्ट नजर आ रही है।

वैसे ब्रिटेन के आम चुनावों में बदलाव होने वाला है इसके संकेत पिछले साल हुए उपचुनावों में ही मिल गये थे। ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने के बाद से ऋषि सुनक की वैश्विक लोकप्रियता में तो इजाफा हुआ था लेकिन ब्रिटेन में पिछले साल तीन सीटों पर हुए उपचुनाव में उनकी कंजरवेटिव पार्टी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अब आम चुनावों में कंजरवेटिव पार्टी को अपने इतिहास की सबसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में सवाल खड़ा हुआ है कि क्या सुनक की नीतियां जनता को पसंद नहीं आ रही थीं? सवाल यह भी उठा है कि कंजरवेटिव पार्टी को गलत नीतियों की सजा चुनावों में मिली या पार्टी को एकजुट नहीं होने का खामियाजा भुगतना पड़ा है? सवाल यह भी है कि क्यों कंजरवेटिव पार्टी के नेता और सांसद ही अक्सर विवादों में रह कर सुनक की मुश्किलें बढ़ा रहे थे?

इसके अलावा, 14 वर्षों से ब्रिटेन की सत्ता में रही कंजर्वेटिव पार्टी की हालत चुनावों से पहले ही खस्ता नजर आ रही थी क्योंकि कई लोगों ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था और पार्टी के कई नेता और सलाहकार नई नौकरियों की तलाश में निकल पड़े थे। अब कंजर्वेटिव पार्टी के जो लोग जीत कर आये हैं वह प्रभावी विपक्ष की भूमिका सही से निभा पाएंगे, इसके बारे में विश्लेषकों को संदेह है। माना जा रहा है कि लेबर पार्टी को कुछ वर्षों तक खुली छूट मिली रहेगी।

जहां तक चुनाव परिणाम की बात है तो आपको बता दें कि ऋषि सुनक तो चुनाव जीत गये लेकिन उनके मंत्रिमंडल में शामिल पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और कई कैबिनेट मंत्री पराजित हो गए। सुनक उत्तरी इंग्लैंड में अपनी रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। लेकिन रक्षा मंत्री ग्रांट शेप्स, न्याय मंत्री एलेक्स चाक और मिशेल डोनेलन जैसे बड़े नेता चुनाव हार गये। ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी के बहुमत से काफी ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करते ही ऋषि सुनक ने हार स्वीकार कर ली और लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी। उन्होंने किंग चार्ल्स से मिलकर अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रधानमंत्री के रूप में देश को आखिरी बार संबोधित करते हुए कहा, ष्मैंने देश सेवा में अपना सब कुछ लगा दिया है, लेकिन आपने स्पष्ट संकेत दिया है कि यूनाइटेड किंगडम की सरकार को बदलना होगा और आपका निर्णय ही मायने रखता है। उन्होंने कहा कि मैंने आपके गुस्से, आपकी निराशा को समझा है और मैं इस नुकसान की जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने कहा कि सभी कंजर्वेटिव उम्मीदवारों ने अथक परिश्रम किया, लेकिन सफलता नहीं मिली, मुझे खेद है कि हम आपके प्रयासों के अनुरूप परिणाम नहीं दे सके।

सियाचीन में शहीद देवरिया के लाल अंशुमान सिंह को मरणोपरांत कीर्ति चक्र, राष्ट्रपति ने पत्नी को सौंपा गौरव

संवाददाता—देवरिया। सियाचिन ग्लेशियर में 19 जुलाई 2023 को तड़के साढ़े तीन बजे भारतीय सेना के कई टेंट में आग लग गई। हादसे में रेजिमेंटल मेडिकल ऑफिसर देवरिया निवासी कैप्टन अंशुमान सिंह शहीद हो गए। अंशुमान सिंह की 5 महीने पहले 10 फरवरी को शादी हुई थी। कैप्टन अंशुमान 15 दिन पहले ही सियाचिन गए थे। अंशुमान मूल रूप से देवरिया जिले के बरडीहा गांव के रहने वाले थे। 5 महीने पहले लखनऊ के पारा मोहान रोड स्थित जिस घर में कैप्टन अंशुमान सिंह की शादी की शहनाई गूंजी थी, वहां गुरुवार को मातम पसरा था।

अंशुमान सिंह के अद्वितीय साहस को देखते हुए कीर्ति चक्र देने की घोषणा की गई थी। शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक सादे समारोह में यह सम्मान उनकी शहीद की विधवा सृष्टि सिंह और उनकी मां मंजू सिंह को सौंपा। वर्ष 2023 तारीख 20 जुलाई दिन बुधवार सुबह सेना की मेडिकल कोर और कमांड अस्पताल के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी अंशुमान सिंह के लखनऊ स्थित घर पहुंचे। उन्होंने पिता रवि प्रताप सिंह को कैप्टन अंशुमान सिंह के शहीद होने की खबर दी। शहादत की खबर मिलते ही उनके परिचितों और रिश्तेदारों का घर पहुंचना शुरू हो गया। बेहाल मां मंजू सिंह का रो रोकर बुरा हाल हो गया।

अंशुमान सिंह की पत्नी इंजीनियर सृष्टि सिंह पठानकोट की रहने वाली हैं। वह नोएडा में रहकर एक मल्टी नेशनल कंपनी में काम करती हैं। अंशुमान के लखनऊ वाले घर में उनके पिता रवि प्रताप सिंह, मां मंजू सिंह, बहन तान्या सिंह और भाई घनश्याम सिंह रहते हैं। देवरिया जिले के लार थाना क्षेत्र के बरडीहा दलपत में उनके दादा और चाचा रहते हैं। पढ़ाई के बाद अंशुमान का चयन आर्मड फोर्स मेडिकल कॉलेज पुणे में हो गया। वहां से डटठे करने के बाद कैप्टन अंशुमान सिंह सेना की मेडिकल कोर में शामिल हुए। पत्नी स्मृति पेशे से इंजीनियर हैं और उनके माता—पिता स्कूल के प्रधानाचार्य हैं। आगरा मिलिट्री हॉस्पिटल में ट्रेनिंग के बाद वहीं अंशुमान की तैनाती हो गई थी। पिछले दिनों कश्मीर के पुंछ सेक्टर में तैनात एक बटालियन के वह मेडिकल आफिसर बने। वहां से 15 दिन पहले ही सियाचिन गए थे। उनके पिता रवि प्रताप सिंह सेना में सूबेदार थे। कैप्टन अंशुमान सिंह की मां मंजू सिंह के अलावा भाई घनश्याम सिंह और बहन तान्या सिंह हैं। दोनों ही नोएडा में डॉक्टर हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शहीद अंशुमान सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की थी। उन्होंने शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, जिले की एक सड़क का नामकरण शहीद अंशुमान सिंह के नाम पर करने की भी घोषणा की थी।

अनफिट मिले वाहन तो स्कूलों पर होगी कार्रवाई— विनीत

संवाददाता—श्रावस्ती। स्कूलों में पठन—पाठन शुरू हो गया है। छात्रों को स्कूल आने जाने के लिए विद्यालय प्रबन्धन ने वाहनों को लगा दिया है। लेकिन वाहनों का फिटनेस नहीं करवा रहे हैं। ऐसे में अनफिट मिले वाहनों पर कार्रवाई के लिए परिवहन विभाग ने कमर कस ली है। स्कूली वाहनों की बढ़ती सड़क दुर्घटनाए परिवहन विभाग के लिए चिन्ता का विषय रहता है। ऐसे में कड़ी कार्रवाई का मन बना लिया है। एआरटीओ विनीत कुमार ने बताया कि स्कूली बच्चों को लाने—ले जाने वाले ऐसे सभी वाहनों का फिटनेस,परमिट, बीमा एवं प्रदूषण जांच के लिए आठ जुलाई से 22 जुलाई के उप संभागीय परिवहन कार्यालय परिसर में कैम्प लगाया जाएगा। इस अवधि में अनफिट वाहनों के फिटनेस व अन्य कागजात की जांच एवं भौतिक सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संज्ञान में आया है कि जिले के अधिकांश स्कूलों में मानकों के विपरीत बिना फिटनेस या स्कूल के नाम पंजीकृत या अनुबंधित स्कूल वाहन संचालित किए जा रहे हैं।

पेड़ मानव जीवन के लिए प्रकृति के अनुपम उपहार -सुबोध शुक्ला

संवाददाता—श्रावस्ती। पर्यावरण संरक्षण व पौधरोपण को बढ़ावा देने के लिए एक से सात जुलाई तक वन महोत्सव मनाया जा रहा है। महोत्सव के छठवें दिन रामपुर ककरा स्थित विद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को जागरुक किया गया। इसके साथ ही प्रतियोगिता भी कराई गई।

विकास क्षेत्र हरिहरपुर रानी के रामपुर ककरा में स्थित बाबा गुरु शरण दास बुद्ध सागर मिश्र शिक्षण संस्थान में ग्राम प्रधान मुंशी राम तिवारी व क्षेत्रीय वनाधिकारी ककरदरी सुबोध शुक्ला ने संयुक्त रूप से पौधरोपण किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। पर्यावरण संरक्षण व पौधरोपण क्यों जरूरी है इस विषय पर विद्यालय में प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें छात्र विशाल मौर्य पहला, प्रज्ञा प्रजापति ने दूसरा व पल्लवी विश्वकर्मा तथा कृतिका सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए बाल पौध भंडारा भी कराया गया। टाप तीन बच्चों को क्षेत्रीय वनाधिकारी सुबोध शुक्ल की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधान मुंशीराम तिवारी ने कहा कि पेड़ पर्यावरण के साथ ही मानव जीवन के लिए बहुत जरूरी हैं। इसलिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं। इस मौके पर डिप्टी रेंजर ओम प्रकाश सिंह, वन दरोगा मालिकराम प्रजापति, अशोक सिंह, बृजलाल यादव, विकास शुक्ला, वन रक्षक विपिन कुमार, शेषमणि मिश्र, प्रधानाचार्य राम बरन भार्गव आदि मौजूद रहे। इसी तरह डीएम अजय कुमार द्विवेदी व एसपी घनश्याम चौरसिया ने जमुनहा तहसील परिसर में पौधरोपण कर लोगों को जागरुक किया। डीएम ने कचनार व एसपी ने जकरन्दा प्रजाति का पौधा रोपा। इस मौके पर एसडीएम जमुनहा एसके राय, सीएमओ डा. एपी सिंह, डीएफओ डीएन सिंह आदि अधिकारी मौजूद रहे।

चेतावनी बिन्दु के पार पहुंची राप्ती, ग्रामीण भयभीत

संवाददाता—बलरामपुर। जिले में पांच दिनों से रुक—रुककर हो रही बरसात से पहाड़ी नाले उफान पर हैं। लगभग 150 से अधिक गांव बाढ़ पानी से घिरे हैं। वहीं खेतों में पहाड़ी नाले की बाढ़ में बहकर आई रेत किसानों के धान नर्सरी व गन्ना फसल में पट गई है। जिसके चलते फसलों को खासा नुकसान पहुंचा है। तराई क्षेत्र के कई गांवों में बाढ़ पानी भरा हुआ है। वहीं दर्जनों गांव ऐसे हैं जो चारों ओर बाढ़ पानी से घिरे हैं। कई रास्ते व डिपों पर दो से तीन फीट पानी बहाव होने के कारण सैकड़ों लोगों का आवागमन बाधित है। वहीं राप्ती शनिवार शाम पांच बजे राप्ती नदी का जलस्तर चेतावनी बिन्दु के पार पहुंच गया। तटवर्ती गांव किनारे नदी तेजी से कटान कर रही है। राप्ती नदी के बढ़ते जलस्तर को देखकर ग्रामीणों को बाढ़ का भय सताने लगा है। उधर रुक—रुककर हो रही बरसात से नगर क्षेत्र के कई मोहल्लों में जल भराव की स्थिति है। लोगों को जलभराव व कीचड़ का सामना करना पड़ रहा है।

जिले में रुक—रुककर हो रही भारी बारिश से पहाड़ी नाला हेंगहा, गौरिया, कचनी, धोबिनिया, बहदिनवा आदि पहाड़ी नालों में उफान आ गया है। हेंगहा पहाड़ी नाले पर परसाहवा व मदारगढ़ गांव के पास पूर्वी छोर का 250 मीटर गाइड बांध टूट गया है। बाढ़ का पानी परसाहवा, मदारगढ, कमदी गांव में भर गया है। वहीं लखनीपुर, भवानियापुर भुसैलिया, भौरही, मकुनाहवा, वनघुसरी, ठडकवी, काशीपुर, लौकाहवा, नारायनपुर ,पिद्ग, प्रतापपुर, झरिहरडीह, बुडंतपुर आदि गांव बाढ़ पानी से घिरे हैं। मवेशियों के चारे व डेहरी में रखे अनाज भीगकर खराब हो गए हैं। बाढ़ पानी से परसाहवा गांव से लालपुर—विशुनपुर मार्ग पर कमदी गांव के पास लगभग तीन फिट पानी का बहाव है। शिवपुरा से झांगीडीह गांव जाने वाले मार्ग पर चकैया नाले पर पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। वहीं ललिया—हरिहरगंज बरदौलिया मार्ग पर लौकाहवा डिप, झिन्ने नाला डिप, सिटकिहवा मोड़, प्रानपुर मार्ग व अमहवा डिप पर लगभग दो फिट पानी बह रहा है। जिससे सैकड़ों लोगों का आवागमन बाधित है। ललिया—हरिहरगंज मार्ग पर लौकाहवा ललिया के बीच में कार्यदायी संस्था व पीडब्ल्यूडी विभाग का ओर से नव निर्मित पुल के पश्चिमी छोर की पटान की गई मिट्टी के कारण बाढ़ का पानी नहीं निकल पा रहा है, जिस कारण दर्जनों गांवों में बाढ़ पानी घुसने की आशंका ग्रामीणों को सता रही है। इस सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि बाढ़ की सूचना मिली है। शीघ्र ही पुल से मिट्टी हटाने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग को अवगत कराया गया है। बाढ़ से निपटने के लिए तहसीलदार को निर्देश दिए गए हैं।

शिकायत निस्तारण में श्रावस्ती को सूबे में पहला स्थान

संवाददाता—श्रावस्ती। सूबे के सबसे छोटे जिले में समस्याओं और जन शिकायतों का अंबार भले ही हो। लेकिन जिले का प्रशासनिक अमला इन शिकायतों के निस्तारण में हमेशा तत्पर रहता है। यही कारण है कि शिकायत निस्तारण में श्रावस्ती जिले को प्रदेश में पहला स्थान मिला है।

घर बैठे अपनी समस्याओं का समाधान पाने के लिए जिला शिकायत निवारण प्रणाली यानि आईजीआरएस पोर्टल उपलब्ध है। लोग घर बैठे इस पोर्टल पर किसी भी समस्या से संबंधित शिकायत अधिकारियों तक पहुंचाते हैं। शिकायत के बाद उन्हें बिना सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगाए समाधान मिलता है। आईजीआरएस निस्तारण की रैंकिंग सरकार की ओर से जारी की गई। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में टॉप—पांच में अपनी जगह बनाते हुए जनपद को पहला स्थान प्राप्त हुआ है। जिले के सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों के सहयोग से यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि आगे भी हमें इसी प्रकार बेहतर ढंग से जनशिकायतों का निस्तारण करके जिले को और बेहतर मुकाम पर लाना है। इसके लिए सभी अधिकारियों को सतत रूप से मेहनत करने की जरूरत है। अधिकारी शिकायती पोर्टल आईजीआरएस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, आनलाइन माध्यमों से प्राप्त सन्दर्भ के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें तथा शिकायतों के निस्तारण को अपने दैनिक कार्यों में शामिल करें। समय के अन्दर शिकायत का निस्तारण करें।

समाधान दिवस में 173 में से 16 शिकायतों का निस्तारण

संवाददाता—श्रावस्ती। सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जिसमें डीएम व एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने लोगों की शिकायत सुनकर समाधान के लिए अधिकारियों को सौंपा। इस दौरान कुल 173 शिकायती पत्र मिले जिसमें से 16 शिकायतों का निस्तारण किया गया। जमुनहा तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व एसपी घनश्याम चौरसिया ने जनसुनवाई की। यहां कुल 47 प्रार्थना पत्र मिले। जिसमें से छह शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। साथ ही अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिए टीम बनाकर जिम्मेदारी दी गई। डीएम ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों का निस्तारण समय से किया जाय। उपजिलाधिकारी खुद लंबित शिकायतों की समीक्षा करते रहें। जिससे कोई भी प्रकरण लंबित न रहने पाए। गांव में तैनात लेखपाल यह ध्यान रखें कि उनके ग्रामसभा के चकमार्गों, सार्वजनिक जमीनों, चरागाह व आबादी की जमीनों पर अवैध अतिक्रमण न होने पाए। यदि किसी भी क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण की शिकायत मिली तो सम्बन्धित क्षेत्र के लेखपाल व राजस्व निरीक्षक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। वहीं एसपी घनश्याम चौरसिया ने सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय सीमा के अन्दर करें। महिलाओं की शिकायतों को गम्भीरता से लेकर निस्तारण करें। किसी भी थाना क्षेत्र से शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने की शिकायत मिली तो सम्बन्धित थानाध्यक्ष के विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। तहसील भिनगा में 35 व तहसील इकौना में 91 शिकायतें प्राप्त हुई। दोनों ही जगह पांच—पांच शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसके बाद अधिकारियों ने तहसील परिसर में पौधरोपण भी किया।

नहर किनारे शौच कर रहे बुजुर्ग का मगरमच्छ ने काटा गुप्तांग

कुशीनगर—संवाददाता। जिले के खड्डा थाना क्षेत्र के गैनही जंगल में नहर के किनारे शौच के लिए बैठे एक बुजुर्ग पर मगरमच्छ ने हमला बोल दिया। बुजुर्ग बचाव करता, तब तक मगरमच्छ ने उसका गुप्तांग काट लिया। बुजुर्ग गम्भीर रूप से जख्मी हो गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलावस्था में उसे निकट के अस्पताल पहुंचाया। स्थिति गम्भीर देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल और वहां से गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। उसकी हालत गंभीर बताई गई है। घटनास्थल महाराजगंज जिले के निचलौल रेंज के अंतर्गत आता है। खड्डा थाना क्षेत्र के गैनही जंगल निवासी कन्हैया (60) शौच करने के लिए बुढवा जंगल से सटे होकर बहने वाली नहर के किनारे गया था। तभी नहर से निकले एक मगरमच्छ ने उस पर हमला बोल दिया। बचाव के लिए जैसे—तैसे उठा ही था कि तब तक मगरमच्छ उसका गुप्तांग काटकर नहर में चला गया। बुजुर्ग के चिल्लाने पर पहुंचे लोगों ने इसकी सूचना उसके घर वालों को दी।

साइकिल से टकराकर पलटी बाइक, अधेड़ की मौत

संवाददाता—बहराइच। बहराइच— लखनऊ हाईवे पर बिबियापुर के पास तेज रफ्तार बाइक के सामने अचानक साइकिल सवार आ गया। उसे बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर बाइक पलट गई, जिससे अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पुलिस ने एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। वहां से उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर लाश परिजनों को सौंप दिया है।

हुजूरपुर थाने के कटका मरौठा गांव निवासी 50 वर्षीय रामदेव पुत्र सीताराम के बेटे की शादी होने वाली है। उसी को लेकर वह रिश्ते नातेदारी में शुक्रवार बाइक से कार्ड वितरण करने निकले थे। शुक्रवार देर शाम जैसे ही वह फखरपुर थाने के बिबियापुर के पास पहुंचे। सामने अचानक साइकिल सवार आ गया। उसे बचाने की कोशिश में बाइक साइकिल से टकराकर और पलट गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजकर उसके परिजनों को दुर्घटना की सूचना दी। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने घायल की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज कर ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसएचओ ने बताया कि तहरीर मिलने पर तत्काल केस दर्ज किया जाएगा।

वन महोत्सव कार्यक्रम में वितरित किए गए विभिन्न प्रजातियों के पौधे

संवाददाता—गोण्डा। महाराजा देवी बक्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर में वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत पौध वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष और पूर्व प्रमुख अकबाल बहादुर तिवारी रहे जबकि विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय वन रेंज अधिकारी ज्योतिर्मय शुक्ला रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों ने विद्यालय के प्रधानाचार्य और शिक्षकों के साथ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि अकबाल बहादुर तिवारी ने कहा कि पेड़—पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। ये हमें न सिर्फ ऑक्सीजन देते हैं बल्कि तमाम प्रकार के फल—फूल, जड़ी बूटियां और लकड़ियां आदि भी देते हैं। घर के आसपास पौधरोपण करने से गर्मी, भू क्षरण, धूल आदि की समस्या से बच सकते हैं क्षेत्रीय वन रेंज अधिकारी ज्योतिर्मय शुक्ला ने कहा कि पृथ्वी पर जीवन के हर रूप के लिए पेड़ बहुत महत्वपूर्ण हैं। यदि हमारे पास पेड़ नहीं हैं तो हमें इस दुनिया में जीवित रहना बहुत मुश्किल लगेगा। वास्तव में, सभी प्रजातियाँ पेड़ों के बिना जीवित नहीं रह पाएंगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य और उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला और मंडलीय अध्यक्ष अजीत सिंह ने सरकार के एक पेड़ मां के नाम अभियान की सराहना करते हुए छात्र छात्राओं से पौधरोपण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को नगर पंचायत बेलसर के अध्यक्ष प्रतिनिधि शैलेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोनू सिंह, जिला पंचायत सदस्य रविंद्र पांडेय, बृजेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. पवन प्रताप सिंह, लक्ष्मी नारायण मिश्रा आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान विद्यालय में अतिथियों ने पौधारोपण भी किया।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अशोक कुमार ने किया। कार्यक्रम वन रेंज अधिकारी ने छात्र—छात्राओं को विभिन्न प्रजातियों आम, अमरूद, आवला, नीम आदि के पौधे वितरित किए और छात्र—छात्राओं को उनके संरक्षण का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम में एनसीसी कैडेटस तथा स्काउट और गाइड का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर आनंद कुमार पांडेय, राकेश कुमार शुक्ला, शैलेंद्र सिंह चितू, डॉ पदम नाथ पांडेय, कन्हैयालाल, सुग्रीव प्रसाद, सतपाल सिंह, सतीश कुमार, राजेश चंद पांडेय, अमित वर्मा, संजीव सिंह, सुजीत श्रीवास्तव, उमेश चंद्र गुप्ता, देवेंद्र कुमार यादव, विशाल वर्मा धीरेंद्र प्रताप सिंह, रघुनाथ द्विवेदी,रामेश्वर प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

डीएम के खिलाफ वकीलों की महापंचायत का ऐलान, पूरे प्रदेश से जुटेंगे अधिवक्ता

संवाददाता—देवरिया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह और सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी के बीच हुई नोकझोंक के बाद शुरू हुई वकीलों की हड़ताल शनिवार को 18वें दिन भी जारी रही। जिलाधिकारी के तबादले की मांग पर अड़े वकीलों ने अब अधिवक्ताओं की 18 जुलाई को महापंचायत बुलाने का ऐलान किया है। इसमें प्रदेश भर के वकीलों का जुटान होगा। आज वकील सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी और कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्रा के नेतृत्व में हड़ताल के 18 वें दिन भी सैकड़ों की संख्या में वकील जिलाधिकारी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तथा उनके तबादले की मांग को लेकर प्रदर्शन किये। इस दौरान वकील कचहरी चौराहे पर कुछ देर के प्रदर्शन कर अपना विरोध प्रगट किये। सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी ने बताया कि आन्दोलन को और गति देने के लिए वकीलों की आम सभा की बैठक में तय किया गया है कि 18 जुलाई को देवरिया में यहाँ के जिलाधिकारी को यहां से हटाने के लिए वकीलों की महापंचायत कराने का नर्णिय लिया गया है। जिसमें प्रदेश के करीब सभी बार के पदाधिकारी सामिल होंगे। इसके लिए प्रदेश के सभी बार एसोसिएशनों को पत्र भेजा जा रहा है।

उधर, वकीलों का गुस्सा देवरिया के जनप्रतिनिधियों पर भी फूटने लगा है। वकीलों का कहना है कि वकील 18 दिन से जिलाधिकारी को यहाँ हटाने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से अपना आन्दोलन कर रहे हैं। लेकिन यहां के जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर अभीतक मौन साधे हुए हैं। वकीलों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों का इस मुद्दे पर मौन साधना सोचनीय विषय बनता जा रहा है और वकील जनप्रतिनिधियों को भी कोस रहे हैं।

देवरिया जिले में वकीलों की 18 दिन से चल रही लगातार हड़ताल से न्यायिक कार्य पूर्ण रूप से ठप है। हड़ताल के कारण जहां वादकारी निराश होकर कचहरी से बिना काम हुए वापस जाने को मजबूर हो रहे हैं और वहीं इस हड़ताल से राजस्व की भी हानि हो रही है। तमाम कैदी जो विभिन्न अपराधों के आरोप में जिला जेल में बंद हैं, उनकी जमानत आदि की सुनवाई इस हड़ताल के कारण नहीं हो पा रही है। इस हड़ताल के कारण जिलाधिकारी चेम्बर में लगने वाला जनता दर्शन का काम भी प्रभावित होता नजर आ रहा है।

गौरतलब है कि 19 जून को सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी अन्य पदाधिकारियों के साथ जिले के बरहज तहसील क्षेत्र ग्राम पुरैना शुक्ल निवासी जय शिव शुक्ल जो अधिवक्ता हैं, के मामले में डीएम से जनता दर्शन में मिलने गये थे। अधिवक्ता शुक्ला का मानना था कि पीडब्ल्यूडी द्वारा उनकी जमीन के कुछ हिस्सों में सड़क का निर्माण करा दिया था।बताया जाता है कि इस मामले में अध्यक्ष श्री गिरी द्वारा जिलाधिकारी से एक बार फिरसे उस जमीन की पैमाईश कराने की बात कही थी।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री गिरी का कहना है कि फिर से जमीन की पैमाईश की बात सुनकर जिलाधिकारी भड़क गये और वकीलों को अमर्यादित तरीके से बालते हुए चेम्बर से बाहर जाने का निर्देश दे दिया था। जिला प्रशासन ने उसके बाद पीड़ित वकील जय शिव शुक्ला के जमीन नस्तिारण करा दिया है लेकिन वकील जिलाधिकारी के अमर्यादित व्यवहार से आहत हैं और वे उनका यहां से तबादले की मांग लेकर हड़ताल पर हैं।

भगवान भक्तों के अधीन होते है -जगतगुरु रामदिनेशाचार्य

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या—मांगी नाव न केवट आना कहा तुम्हारे मर्म मैं जाना हरिधाम गोपाल पीठ के सम्मुख श्री राघव मंदिर में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के में रामानंदाचार्य जगतगुरु रामदिनेशाचार्य जी महाराज ने भक्त और भगवान के करुणा और प्रेम संवाद व प्रेम वात्सल्य की कथा को सुना कर सब को भाव विभोर कर दिया। जगत गुरु महाराज ने श्री राम कथा में प्रभु श्री राम और केवट संवाद की कथा कही। स्वामी जी ने कहा जौं प्रभु पार अवसि गा चहहू। मोहि पद पदमु पखारन कहहू। केवट ने कहा इसी नाव से मैं अपने परिवार का पालन पोषण करता हूं, दूसरा कोई काम मुझे नहीं आता है। हे प्रभु, यदि पार जाना चाहते हो तो मुझे चरण कमल पखारने को दो।महाराज जी ने कहा कि आखिर जिस प्रभु का भेद पूरे जगत में किसी को नहीं पता है आखिर इस केवट को प्रभु का भेद कैसे पता चल गया। उन्होंने बताया कि एक बार प्रभु क्षीरसागर में सो रहे थे और एक कछुआ श्रीहरि का पैर छूना चाह रहा था मगर शेषनाग और लक्ष्मीजी ने प्रभु का पैर नहीं छूने दिया और उसे फेंक दिया, जिससे वह कछुआ मर गया और बाद में केवट बना।

महाराज ने कहा कि वही कछुआ केवट बना था और शेषनाग लक्ष्मण, लक्ष्मी जी सीता और विष्णु भगवान ने राम के रूप में अवतार लिया। ऐसे में निषादराज से प्रभु के सो जाने के बाद बताया था कि प्रभु जो सो रहे हैं वह परमब्रह्म है, जिसे केवट ने सुन लिया था। यही कारण है कि उस दिन उसने गंगा किनारे से राजा से कहकर सभी नाव को हटवा दिया था। गंगा किनारे केवल एक ही नाव केवट की थी। महाराज ने विस्तार पूर्वक बताया कि केवट ने प्रभु के पैर पखारकर न सिर्फ खुद का उद्धार किया बल्कि अपने सभी पुरखों का उद्धार कर दिया।इसके पूर्व श्री राम कथा के मुख्य यजमान ने आरती उतारी प्रसाद वितरण किया गया।

राष्ट्रीय एकता में डा. श्यामा प्रसाद का योगदान रखा जाएगा याद

संवाददाता—महराजगंज। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर शनिवार को पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन हुआ। भारत सरकार के केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। वह महान शिक्षाविद और एक उज्जवल राष्ट्रवादी विचारक थे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण के अद्वितीय प्रतीक हैं। उनका पूरा जीवन भारत देश की एकता अखंडता के लिए समर्पित रहा।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय—श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन महोदय अयोध्या, मण्डल अयोध्या

निगरानी सं. 342/2024

बैजनाथ यादव

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार आदि

बनाम—1— अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति द्वारा ग्राम पंचायत सैदपुर परगना मवई तहसील रुदौली जनपद— अयोध्या 2— हयातुल्लाह पुत्र मो0 इशहाक ग्राम—सैदपुर परगना मवई तहसील रुदौली जनपद— अयोध्या 3— उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या

तारीख पेशी 12—07—2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2024 के माह 07 के 12 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 1292/2023

मदन कुमार

बनाम

अम्बरीश कुमार आदि

बनाम—1— अम्बरीश कुमार वर्मा 2— अरविन्द कुमार वर्मा 3— सुशील कुमार वर्मा पुत्रगण शिवराम समस्त निवासीगण ग्राम—भीखी पुरवा रानोपाली परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला— अयोध्या

तारीख पेशी 10—07—2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2024 के माह 07 के 10 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

समाधान दिवस में 7 मामले निस्तारित

सिद्धार्थनगर। शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के प्रथम एवं तीसरे शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। तहसील डुमरियागंज में जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक सुश्री प्राची सिंह की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस डुमरियागंज में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए। कुल 128 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व—82, पुलिस विभाग से सम्बन्धित—14, विकास—08, अन्य—24 प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा राजस्व के 05 व अन्य विभाग के 02 कुल 07 प्रार्थना—पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया।

तहसील परिसर में हुआ पौधरोपण

संवाददाता—गोण्डा। वन महोत्सव पर वन विभाग के नेतृत्व में शनिवार को ब्लाक व तहसील परिसर में पौध रोपण किया गया और एक पौध मां के नाम लगाने पर विशेष जोर दिया गया। शनिवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के निर्देश पर टिकरी रेंज के क्षेत्राधिकारी विनोद कुमार नायक के नेतृत्व में ब्लाक कार्यालय के आवासीय परिसर में ब्लाक प्रमुख जगदेव चौधरी, एडीओ पंचायत राकेश कुमार श्रीवास्तव, एडीओ आईएसबी विष्णु प्रजापति, लिपिक राजेश पाण्डेय, ग्राम प्रधान विजय चौहान, नवीन चंद्र तिवारी, दुर्गेश सिंह, अमित दूबे ने सामूहिक रूप से ग्यारह फलदार व छायादार पौध रोपण किया। इसी क्रम में तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी यसवंत राव, तहसीलदार सत्य पाल सिंह, नयाब तहसीलदार अनु सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी आरके सिंह ने इक्कीस छायादार— फलदार पौधरोपण किया। इस मौके पर वन दरोगा, वन रक्षक व तहसील के कयी लोग मौजूद रहे।

समय सीमा के अंदर हो काम, लापरवाही पर कार्रवाई तय –मुख्यमंत्री

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को निर्माणाधीन ट्रांसपोर्टनगर– दाउदपुर फ्लाईओवर और सिक्सलेन का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जो समय सीमा निर्धारित है, उसके अनुसार तेजी से काम होने चाहिए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने फ्लाईओवर और सिक्सलेन निर्माण की पूरी प्रगति के बारे में जानकारी ली। साथ ही फ्लाईओवर और सिक्सलेन के लेआउट मैप को देखा। मुख्यमंत्री अधिकारियों को निर्देश दिया कि काम में तेजी लाई जाए। युद्धस्तर पर काम कराया जाए। मार्ग के दोनों तरफ के नालों को इस तरह बनाया जाए कि कहीं भी जलजमाव की समस्या न होने पाए। यदि जलजमाव हुआ तो जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह भी ध्यान रखा जाए कि आम जनता को जरा भी असुविधा न हो। इसके लिए सर्विस लेन का निर्माण पहले से तैयार कर लिया जाए। नाले पर ढक्कन की व्यवस्था की जाए, जिससे की इसका इस्तेमाल फुटपाथ के रूप में किया जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ किसी तरह का समझौता न होने की बात कही। कहा कि यदि इसमें खामियां मिलती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने देवरिया बाईपास को जोड़ने वाले फ्लाईओवर के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। समय से काम पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मंजू नाम की एक महिला की समस्याएं सुनी। समस्या सुनने के बाद महिला को जमीन का तत्काल मुआवजा देने के साथ ही सुविधानुसार प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

किसी भी दशा में बख्शे न जाएं जमीन कब्जाने वाले –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सरकार का संकल्प है कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जमीन कब्जा करने के मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। बारिश के कारण मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके, इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 400 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे। सीएम से मिलकर समस्या बताने वालों में महिलाओं की संख्या पुरुषों की अपेक्षा काफी अधिक रही। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने भूमाफिया और दबंगों द्वारा जमीन कब्जा करने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमाफिया को करारा सबक सिखाया जाएगा। उनके रहते कोई भी किसी कमजोर या गरीब को उजाड़ नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जबरन जमीन कब्जा करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई करें। सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग, माफिया, अपराधी किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को मिली एमबीबीएस पाठ्यक्रम की मान्यता

संवाददाता–गोरखपुर। चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में गोरखपुर के नाम आज एक और उपलब्धि जुड़ गई। गोरखपुर में निजी क्षेत्र के पहले विश्वविद्यालय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) को नेशनल मेडिकल कॉउंसिल से एमबीबीएस पाठ्यक्रम मान्यता प्राप्त हो गई है। इसी सत्र से यहां नीट काउंसलिंग के जरिये एमबीबीएस कोर्स में दाखिला और पढ़ाई प्रारंभ हो जाएगी। विश्वविद्यालय महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित है। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ इसके कुलाधिपति हैं। महज तीन साल की अपनी प्रगति यात्रा में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने कई स्वर्णिम उपलब्धियां हासिल कर ली हैं। नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी के तमाम रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ ही यहां गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अंतर्गत 2021 से ही बीएएमएस का पाठ्यक्रम संचालित है। इस बीच आज नेशनल मेडिकल काउंसिल ने विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) को एमबीबीएस की मान्यता भी प्रदान कर दी है। पहले सत्र के लिए यहां 50 एमबीबीएस सीटों के लिए मान्यता मिली है। एमबीबीएस की मान्यता मिलने पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विश्वविद्यालय परिवार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यह समूचे पूर्वांचल के युवाओं के लिए बड़ी सौगात है। कुलपति एवं कुलसचिव ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का मेडिकल कॉलेज तीन चरणों में बनकर तैयार होगा। पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 600–600 यानी कुल 1800 बेड का अस्पताल बनेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के अनुसार पहले वर्ष इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 50 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इस संख्या को दूसरे और तीसरे चरण में और बढ़ाया जाएगा। एमबीबीएस की मान्यता मिल जाने से न सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को अपने घर के पास गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी बल्कि गोरखपुर–बस्ती–आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को 1800 बेड का अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीसों घंटे सेवा देने वाला एक नया अस्पताल भी मिल जाएगा। कुलपति डॉ. वाजपेयी ने बताया कि यह वाराणसी और लखनऊ के बाद गोरखपुर में निजी क्षेत्र का पहला मेडिकल कॉलेज होगा। साथ ही एम्स गोरखपुर और बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के बाद शहर का यह तीसरा बड़ा चिकित्सा संस्थान होगा। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह सहित सभी सदस्यों, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–आक्शन सूचना
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना। एकमिन यूनिट/जोन: लखनऊ–पू0रे0–मण्डल–वाणिज्य/पू0रे0, नीलामी सूची सं0/लॉट सं0: CatGMUSMU07-24, नीलामी सूची प्रकाशन तिथि: 03-07-2024 समय 17:36 बजे, नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट): 18-07-2024 समय 13:00 बजे। नीलामी बन्द करने की तिथि व समय: 18-07-2024 समय 14:20 बजे। नीलामी का प्रकार: Close Ended. वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है: E-Auction Module of www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ
मुजाबि/वाणिज्य–76
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें।

रामजन्मभूमि में लहराएगा 211 फीट ऊंचा धर्मध्वज

संवाददाता–अयोध्या। राममंदिर निर्माण के साथ शिखर पर स्थापित होने वाले कलश व धर्मध्वज को लेकर भी मंथन शुरू हो गया है। राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि राममंदिर में 211 फीट ऊंचा धर्मध्वज लहराएगा। इसके लिए विशेष धर्मध्वज दंड अहमदाबाद से निर्मित होकर आया है। तेज आंधी व तूफान में धर्मध्वज इधर–उधर न हिले, इसको लेकर इंजीनियर खास संरचना कर रहे हैं। यह धर्मध्वज अहमदाबाद की अंबिका इंजीनियरिंग कंपनी में बनकर तैयार हुआ है। यह कंपनी करीब आठ दशक से शास्त्रों के अनुसार धर्मध्वज दंड बनाती आ रही है। पूरी तरह पीतल से बना यह स्तंभ 44 फीट लंबा है। इसकी चौड़ाई 9.5 इंच है। वजन 55 क्विंटल है। इसके अलावा 20–20 फीट लंबे छह धर्मध्वज दंड और आए हैं। चंपत राय ने बताया कि राममंदिर में ब्रह्मांड की भी ऊर्जा पहुंचे, इसके लिए विशेष प्रकार का धर्मध्वज दंड निर्मित कराया गया है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 27/2019
न्यायालय– श्रीमान अपर सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर
केवलपाती
बनाम
विष्णु प्रसाद आदि
1. विष्णु प्रसाद पुत्र स्व0 राम आसरे 2. कमलावती पत्नी स्व0 राम आसरे निवासी ग्राम प्रतापपुर पो0 बांसी तप्पा अखनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 3. सुवाष चन्द्र पुत्र घमालू 4. आशीष कुमार पुत्र सुवाष चन्द्र निवासी मोहल्ला अशोकनगर नगर पालिका परिषद तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 5. श्रीमती पूनम पत्नी राकेश साकिन व पोस्ट चेतिया तप्पा कोडरी परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 6. श्रीमती विद्यावती पत्नी दिनेश चन्द निवासी ग्राम सेमरा मुस्तहकम तप्पा चंवर परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 24–07–2024
प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 24.07.2024 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं। आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश

बच्चों की पढ़ाई पर खर्च देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में अत्यंत उपयोगी –योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किया गया कोई भी योगदान व्यर्थ नहीं जाता है। बच्चों की पढ़ाई पर किया जाने वाला खर्च समाज और देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में अत्यंत उपयोगी होता है क्योंकि शिक्षा व्यक्ति, समाज और देश के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। इसी ध्येय से यूपी के युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने के लिए तमाम अभिनव कार्य हो रहे हैं। सरकार वर्तमान और भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

सीएम योगी शनिवार को सहजनवा के सिसवा अनंतपुर में जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय का लोकार्पण करने के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में आज पहले जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय (आश्रम पद्धति) का शुभारंभ हो रहा है। बालकों के लिए इस जिले में आश्रम पद्धति के दो विद्यालय पहले से चल रहे हैं। समाज कल्याण विभाग ने बालिकाओं के लिए भी सर्वोदय विद्यालयों की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की बेहतरीन शिक्षा के लिए सरकार हर ब्लॉक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को भी 12वीं कक्षा तक उच्चीकृत कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में बड़े पैमाने पर आश्रम पद्धति विद्यालय बन रहे हैं। समाज कल्याण विभाग जनजातीय क्षेत्रों में इसी तर्ज पर एकलव्य विद्यालय भी बना रहा है। सरकार ने तय किया है कि हर जिले में सीएम कंपोजिट विद्यालय और अभ्युदय विद्यालय भी तेजी से बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि निर्माण श्रमिकों के बच्चों और निराश्रित बच्चों के लिए हर मंडल में मुफ्त आवासीय व्यवस्था के तहत अटल आवासीय विद्यालय खोले गए हैं जहां बच्चों की 12वीं तक की पढ़ाई के लिए सारी व्यवस्था की गई है।

सीएम योगी ने कहा कि बच्चों को 12वीं तक की पढ़ाई के बाद मेडिकल, इंजीनियरिंग, यूपीएससी, सेना, बैंक पीओ आदि की तैयारी के लिए अभ्युदय कोचिंग सेंटर भी खोले गए हैं। यहां बेहतरीन फैकल्टी के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं को पास कर अधिकारी बने लोग भी बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं। अभ्युदय कोचिंग की सुविधा फिजिकली और वर्चुअली, दोनों तरीके से उपलब्ध हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वोदय बालिका विद्यालय में अलग अलग जगहों से आई बच्चियां प्रतियोगिता से आई हैं। उनमें जज्बा है, आगे बढ़ने की ललक है। ये बच्चियां अपना करियर तो बनाएंगी ही, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगी। सीएम ने विद्यालय के प्रधानाचार्य और अधीक्षक से अपील की कि वे बालिकाओं की पढ़ाई, दिनचर्या को व्यवस्थित कराने के साथ उन्हें कौशल विकास, खेल और सामाजिक जागरूकता के कार्यों से भी जोड़ें। अगर किसी बालिका में कुछ खास हुनर है तो उसे उचित प्लेटफार्म प्रदान करें। उन्होंने विद्यालय परिसर, इसके ऑडिटोरियम और उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की और कहा कि यह विद्यालय पूर्वांचल की बालिकाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।

जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय के लोकार्पण के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक कक्षा में जाकर नवप्रवेशी बालिकाओं से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। सीएम से मुलाकात करने के बाद इन बालिकाओं की खुशी का कोई ठिकाना नहीं था।

सर्वोदय बालिका विद्यालय के लोकार्पण अवसर पर समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अगली पीढ़ी को ताकत देने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहते हैं। बेटियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए उनके मार्गदर्शन में अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आश्रम पद्धति के सर्वोदय विद्यालयों में अभ्युदय कोचिंग की सुविधा भी दी जा रही है। समाज कल्याण मंत्री ने बताया कि इस साल पांच और सर्वोदय विद्यालय शुरू हो रहे हैं और अगले साल ऐसे सात विद्यालय प्रारंभ हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग की तरफ से आने वाले कुछ सालों में सर्वोदय और एकलव्य विद्यालयों को मिलाकर सवा सौ स्कूल शुरू हो जाएंगे। स्वागत संबोधन सहजनवा के विधायक प्रदीप शुक्ल ने किया। इस अवसर पर बालिकाओं की तरफ से मुख्यमंत्री और अन्य मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव गौड़, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम, भाजपा जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, मदन मुरारी गुप्ता, रामपाल सिंह, नरेंद्र शुक्ल, प्रमोद राय आदि भी उपस्थित रहे।

समाज कल्याण विभाग की तरफ से संचालित होने वाले जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय के निर्माण पर 35.33 करोड़ रुपये की लागत आई है। इस वर्ष यहां 210 बालिकाओं के दाखिले हुए हैं। जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षा के साथ–साथ निशुल्क छात्रावास, पाठ्य पुस्तकें, यूनीफार्म एवं खेलकूद आदि की व्यवस्था प्रदेश सरकार करती है। इन विद्यालयों में 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति–जनजाति, 25 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग तथा 15 प्रतिशत सामान्य वर्ग के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। कुल प्रवेशार्थियों में 85 प्रतिशत विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों के होते हैं। उल्लेखनीय है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय अब जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के नाम से जाने जाते हैं। गोरखपुर में चौरीचौरा के गौनर विशुनपुर में तथा गोला के पतरा में ऐसे विद्यालय पहले से संचालित हैं। सीएम योगी के मार्गदर्शन में आवासीय व्यवस्था के साथ बालिकाओं को मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सहजनवा के सिसवा अनंतपुर में जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय का निर्माण कराया गया है।

केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज चौधरी और कमलेश पासवान ने सीएम योगी से की मुलाकात

संवाददाता–गोरखपुर। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी और केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री कमलेश पासवान ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने दोनों केंद्रीय राज्यमंत्रियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी। पंकज चौधरी महराजगंज के सातवीं बार सांसद चुने गए हैं। उन्हें मोदी सरकार में दूसरी बार केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री का दायित्व मिला है। बांसगांव से लगातार चौथी बार सांसद कमलेश पासवान को पहली बार केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री का दायित्व मिला है।

दोनों राज्यमंत्रियों ने शनिवार को गोरखनाथ मंदिर पहुंच कर गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। सीएम योगी ने पंकज चौधरी और कमलेश पासवान को केंद्र सरकार में मंत्री बनने पर बधाई दी। पूर्वांचल और समूचे उत्तर प्रदेश के विकास को लेकर कई बिंदुओं पर वार्ता की।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान दशम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
इजरा वाद सं0 12/2019
अशोक कुमार आदि
बनाम
तिनाई आदि
1/1 बृजविहारी 1/2 गंगाराम 1/3 धर्मराज पुत्रगण तिनाई 1/4 सरस्वती पुत्री तिनाई समस्त निवासी ग्राम परतिया तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 24–07–2024
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 24 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
नं0मु0– 407/78
त्रिशूलधारी आदि
बनाम
राम चन्दर आदि
28/1 सोनू 28/2 सनी पुत्रगण रज्जन 28/3 कु0 कोमल पुत्री रज्जन साकिनान मौजा बस्ती खास मोहल्ला रोडवेज चौराहा गांधी नगर बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 12–07–2024
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 12 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
प्रकीर्ण सिविल वाद सं0 5/2017
अदालत–श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती
राम सहाय मृतक आदि
बनाम
पटेश्वरी आदि
5/1 रामधनी उम्र 50 वर्ष पुत्र दयाराम 5/2 शुभम उम्र 22 वर्ष 5/3 शनी उम्र 20 वर्ष पुत्रगण शिवधनी 5/4 सतरूपा उम्र 46 वर्ष पत्नी शिवधनी साकिनान बनकटवा तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 6/1 अखेश सिंह उम्र 50 वर्ष 6/2 अजय सिंह उम्र 48 वर्ष 6/3 राघवेन्द्र सिंह उम्र 46 वर्ष 6/4 अश्वनी सिंह उम्र 43 वर्ष 6/5 सन्तोष सिंह उम्र 40 वर्ष पुत्रगण रामदरश सिंह 6/6 श्रीमती फुलवासा उम्र 76 वर्ष पत्नी रामदरश सिंह साकिनान मौजा कोहलवा तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 08–07–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 126/91
पीरू
बनाम
रामजी आदि
2/1 यशोदा देवी उम्र करीब 65 साल पत्नी स्व0 हीरालाल 2/2 विजय उम्र करीब 30 साल पुत्र स्व0 हीरालाल 2/3 उर्मिला उम्र करीब 35 साल 2/4 सुधा आयु 32 साल पुत्रगीण हीरालाल निवासीगण मौजा विशुनपुरवा तप्पा चुरेब परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 09–07–2024
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 09 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 05 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 182/2024
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती
रविन्द्र पाल आदि
बनाम
अमित पाल उर्फ किंकर पाल आदि
1. अमित पाल उर्फ किंकर पाल उम्र लगभग 46 साल पुत्र जय प्रताप पाल 2. मु0 उर्मिला देवी उम्र लगभग 66 साल पत्नी जय प्रताप पाल निवासीगण साकिनान मथौली तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 25–07–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 68/2014
मूलवाद सं0 92/2001
बाबूलाल
बनाम
राधेश्याम आदि
2/1 विश्वभर राय उम्र लगभग 50 साल 2/2 बलराम राय उम्र लगभग 48 साल 2/3 संजय कुमार राय उम्र लगभग 40 साल 2/4 अरविन्द कुमार राय उम्र लगभग 38 साल पुत्रगण हरीराम राय सभी निवासीगण ग्राम बालुशासन तप्पा उतरावल परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 05–08–2024
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 05 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 05 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406, ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com